

प्रेषक,

आराधक मित्र

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन,

सेवा में,

मुख्य वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 24 मार्च, 2008

विषय:- अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनिधानित योजना (100 प्रतिशत वोट्स) "पार्षी एवं पक्षी विहारों का विकास" के अन्तर्गत वर्ष 2007-08 की वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि०-1153/10-25, दिनांक 23 फरवरी, 2008 तथा भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अस्कोट वाईल्ड लाइफ सेन्चुरी हेतु निर्गत पत्रांक-13 00 32 24 VVL दिनांक 11 फरवरी, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनागत पक्ष की "पार्षी एवं पक्षी विहारों का विकास" योजना के लिये पूर्व में अवमुक्त रु० 66,18,000/- के अतिरिक्त रु० 5,00,000/- (रु० पांच लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत व्यय भारत सरकार के सन्दर्भित पत्र द्वारा स्वीकृत कार्ययोजना/ मदों पर ही किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय.
  2. योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाय तथा जहाँ आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्ण सहमति/स्वीकृति ली जाय.
  3. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
  4. क्षेत्र की योजना के सापेक्ष अप्रेंटन अपने स्तर से किया जाय.
  5. धनराशि का आहरण यथा आवश्यकता ही किया जायेगा.
  6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
  7. उक्त धनराशि का आहरण भारत सरकार से धनराशि अवमुक्त होने के उपरान्त यथा आवश्यकता ही किया जाय.
  8. अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक-2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02- पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110- वन्य जीवन परिरक्षण 01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा

क्रमशः.....2

शु

पुरोनिर्धानित योजनायें 0109- "पार्क एवं पक्षी विहारों का विकास" के अंतर्गत निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरण अनुसार सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नामे डाला जायेगा:-

(घनराशि लक्ष हजार में)

मानक मद	आय-व्ययक प्राविधान	पूर्व में निर्गत स्वीकृति	वर्तमान स्वीकृति
1	2	3	4
साख सीमा			
25-लघु निर्माण कार्य	8000	3070	313
29-अनुसूचण	7200	1974	187
उक्त मदों का योग	15200	4984	500

(स्वीकृत घनराशि 250 पाँच लाख मात्र)

3. ये आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-569 (पी)/वि.अनु.-4/2008, दिनांक 20 मार्च, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

मयदीय

(आरोपको मिश्र)

अपर सचिव

को संख्या-1371(1)/दस-2-2008, तददिनांकित।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोर्टर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक(वन्य जीव), उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
6. निजी सचिव, माननीय मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
7. निजी सचिव, माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थ, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/ वरिष्ठ/ मुख्य कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. गार्ड फाइल (जे).

(ओपीओतिवारी)

उप सचिव

2-6-08